बिन जोगी के कोई

क्या जग में लाया था, क्या लेकर जाएगा ॥
बिन जोगी के कोई ॥, न साथ निभाएगा ॥

कलयुग में जोगी का, इक्क नाम अधारा है ॥
दुःख दूर भगा देता ॥, उसका जैकारा है ॥

यह दुनियाँ मतलब की, कोई साथ निभाए न ॥
वो झोलियाँ भरता है ॥, कोई ख़ाली जाए न ॥

किस बात पे रोते हो, किस बात का रोना है ॥
जो नाथ मेरा चाहे ॥, वही तो होना हैं ॥

लाखों ही तारे हैं, मुझको भी तरेगा ॥
क्यों राज कमल डोले ॥, वो कष्ट निवारेगा ॥

क्या जग में लाया था, क्या लेकर जाएगा ॥
बिन जोगी के कोई ॥, न साथ निभाएगा ॥
धुन- रातों को उठ उठ कर
अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/14040/title/bin-jogi-ke-koi-na-sath-nibhaayega

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |